रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 259 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

धन त्रयोदशी

उत्तम स्वास्थ्य की आराधना का पर्व

निरोगी काया के स्वामी श्री धन्वंतरि को जागृत करें सहज योग से

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है कहते हैं, अच्छा स्वास्थ्य हो तो धन स्वयंमेव आ जायेगा। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया' इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है।

शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धन्वंतरि विष्णु के अंशावतार हैं। इस घोर कलियुग में प्रेम तत्व ही वो रसायन है जो मनुष्य के मन, बुद्धि और अहंकार को सिक्त करके निष्काम और उत्तम कार्य की प्रेरणा देकर उसे त्याग और तपस्या के योग्य बनाता है। जब हम इन दुर्गुणों को त्याग देते हैं तब हममें अमृतमयी प्रेम प्रस्थापित होता है। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धन्वंतरि का अवतार लिया था। भगवान धन्वंतरि के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन सोना, चांदी या कोई अन्य मूल्यवान वस्तु खरीदने से सौभाग्य, सफलता और बुरी नज़र से सुरक्षा मिलती है। इस दिन लोग भगवान कुबेर और देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं और कुछ नया खरीदते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन समुद्र मंथन के दौरान देवी लक्ष्मी दूध के सागर से निकली थीं।

यहाँ यह स्पष्ट है धनतेरस निश्चित रुप से धन्वंतरि के साथ साथ धन के देवता कुबेर की भी पूजा की जाती है। सिर्फ धन की चाहत रख धनतेरस मनाना सार्थक नहीं क्योंकि धन कई बार अनैतिकता की ओर खींचता है। सहज योग में संतुष्ट सहजी साधक सिर्फ निरोगी रहने की आकांक्षा से धन्वंतरि की साधना अपने अंतर में करते हैं। सहज योग में धनवन्तरि का मंत्र लेते हुये साधक अपने सहस्त्रार चक्र पर ध्यान करते हैं। परमपूज्य श्री माताजी साक्षात धन्वंतरि स्वरुप हैं। असाध्य रोगों का इलाज सहज योग माध्यम से संभव होता है। हमारे अंदर से प्रवाहित चैतन्य हमारे चक्रों को स्वस्थ रखता है और हर सहजी निरोगी काया का मालिक होता है। बशर्ते वह नियमित ध्यान धारणा करता हो। धनतेरस दीपावली का प्रथम दिन है, तब से ही अपने घरों में दीप जलाना शुरु करते हैं। दीपक हमारे हृदय के अंधकार को दूर कर उजाला प्रज्ज्वलित करे तभी धनतेरस सार्थक होगा। हृदय के विशाल होते ही हमारा शरीर बीमारी रहित हो जाता है। प्रेम से अपने अंतर को पोषित करने की विधि सहज योग के माध्यम से सीखी जा सकती है। वास्तव में प्रेम का दिया ही प्रज्ज्वलित होना चाहिए अंतस में ताकि हम अपने साथ साथ अन्यों को भी निरोगी रहने को प्रेरित कर सकें। हमारे अंदर दीप जलेगा तोर हम अन्यों दीपों को भी रौशनी दे पायेंगे। अपने अंदर धन्वंतरि को जागृत करने हेतु सहज योग से जुड़ना सुखकर होगा। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

स्टेट प्रेस क्लब के रूबरू कार्यक्रम में फ़िल्म - संगीत निर्देशक पलाश मुछाल ने सितारा क्रिकेटर स्मृति मंधाना से विवाह की घोषणा की

इंदौर में फ़िल्म निर्माण बढ़ने के लिए पूरा माहौल तैयार है : पलाश मुछाल

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। मेरी बरसों से तमन्ना थी कि इंदौर में पूरी फ़िल्म शूट करूं। 'राजू बाजे वाला ' फ़िल्म में इंदौर की सभी ख़ास जगहें और गलियां दिखाई देंगी क्योंकि इंदौर से मुझे प्यार है। दस साल यहां रहा हूँ और इंदौर मेरे अंदर बसता है। ये बात प्रख्यात फ़िल्म निर्देशक, संगीत निर्देशक, लेखक, एक्टर और गायक श्री पलाश मुछाल ने स्टेट प्रेस क्लब,मप्र द्वारा आयोजित 'रूबरू' कार्यक्रम में कही। फ़िल्म में मुख्य किरदार निभा रहे पंचायत वेब सिरीज़ से लोकप्रिय श्री चंदन रॉय और बालिका वधू से सुपरस्टार बनीं सुश्री अविका गौर ने भी फ़िल्म और टीवी जगत के बारे में बात की। श्री पलाश मुछाल ने बताया कि वे सदैव सब्जेक्ट आधारित, साफ सुथरी और मैसेज देने वाली ऐसी फ़िल्में बनाना चाहते हैं जैसी वे स्वयं देखना चाहते हैं। ' राजू बैंड वाला ' फ़िल्म बैंड बजाने वालों के जीवन, इमोशन, उतार चढ़ाव पर आधारित है। इसमें कई फ़िल्म सितारे कैमियो भी करेंगे और संगीत जगत के कई सितारे भी बैंड बाजा उद्योग को अपना ट्रिब्यूट देंगे

प्रसिद्ध क्रिकेटर स्मृति मंधाना होंगी इंदौर की बहू - एक सवाल के जवाब में पलाश ने अपने विवाह की घोषणा करते हुए स्वीकार किया कि महिला क्रिकेट टीम की सितारा खिलाड़ी स्मृति मंधाना से भी शीघ्र परिणय सूत्र ने बंधने जा रहे हैं। पलाश ने कहा कि इंदौर में फ़िल्म निर्माण के तकनीकी साधनों की कुछ कमी अवश्य है लेकिन यहां अच्छी लोकेशनों की कमी नहीं है और नागरिक इतने सहयोगी स्वभाव के हैं कि यहां फ़िल्म निर्माण आसानी से सम्भव है। वे इंदौर में भी प्रोडक्शन हाउस प्रारंभ करने की योजना बना रहे हैं। राजू बैंड वाला फ़िल्म का पंद्रह दिन का पहला शूटिंग शेड्यूल पूरा होने के बाद दूसरा शेड्यूल इंदौर में ही दिसंबर में होगा। फ़िल्म एक लीडिंग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अगले वर्ष अप्रैल में रिलीज़ होगी।

राजू बैंड वाला का किरदार सबसे चुनौती पूर्ण : फ़िल्म के नायक श्री चंदन रॉय ने बताया कि इस फ़िल्म में उनका रोल बहुत दमदार और अब तक का सबसे चैलेंजिंग रोल है। बैंड वालों के जीवन की मेहनत, संघर्ष और कैरेक्टर के धागे खोलने के अलावा उन्होंने ट्रम्पेट बजाने की प्रेक्टिस भी की। पलाश के निर्देशन की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि वे कहते हैं कि वे कहते हैं कि बिना किसी इमोशनल तैयारी के आइए, खाली कैनवास की तरह, और वे उस कैनवास में रंग भर देते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने थिएटर कम किया है उनकी मसल मेमोरी में कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं है। वे कोशिश करते हैं कि स्वाभाविक रहकर किरदार को निभाऊं। बचपन की मेहनत का सुफल आजतक मिल रहा है : फ़िल्म की नायिका सुश्री अविका गौर ने कहा कि बचपन में अभिनय को लेकर की गई मेहनत का फल उन्हें आजतक मिल रहा है। कम उम्र में मिली लोकप्रियता और दर्शकों के भरोसे के कारण वे आज भी सब्जेक्ट पसंद आने पर भी फ़िल्म करती हैं। वे प्रोजेक्ट की बेहतरी के लिए अपनी निजी प्राथमिकताओं को पीछे कर सकती हैं। अपने काम के प्रति अविका का समर्पण इतना कमाल है कि वे अपनी शादी के हफ़्ते भर से पहले ही शूटिंग के लिए इंदौर आ गईं। उनका उनकी ससुराल में गृह प्रवेश दीपावली के बाद होगा। इस समर्पण के लिए उन्हें विशेष सराहना मिली। उन्होंने कहा कि एक अच्छे कारण के कारण हो रही इस देरी को, उनके कार्य के महत्व को परिवार बहुत अच्छे से समझता है इसलिए कार्य और निजी जीवन के बीच समन्वय आसान है। सुश्री अविका ने बॉलीवुड की वर्तमान स्थिति पर कहा कि दर्शकों की पसंद का दबाव हमेशा उद्योग पर रहना चाहिए।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के अध्यक्ष श्री प्रवीण खारीवाल, सुश्री सोनाली यादव, सुश्री ऋतु साहू, श्री विजय गुंजाल, श्री बंसी लालवानी, श्री संजय मेहता, श्री अजय भट्ट ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री रवि चावला, श्री सुनील अग्रवाल, श्री सुदेश गुप्ता एवं सुश्री खुशबू यादव ने स्मृति चिन्ह प्रदान किए। श्री कुमार लाहोटी ने स्टेट प्रेस क्लब,मप्र द्वारा प्रकाशित कार्टूनों की पुस्तक तथा श्रीमती रचना जौहरी ने दीपावली उपहार भेंट किए। रूबरू कार्यक्रम का संचालन श्री आलोक बाजपेयी ने किया।

करेरा में दीपावली को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क, सड़क किनारे से हटाए गए अस्थायी ठेले

हेमंत भार्गव

करेरा। दीपावली पर्व को देखते हुए करेरा पुलिस प्रशासन, और नगर पालिका अमले ने संयुक्त रूप से नगर में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सघन अभियान चलाया। एसडीओपी आयुष जाखड़, टीआई विनोद सिंह छावई और नगर पालिका सीएमओ गोपाल कृष्ण गुप्ता के निर्देशन में मुख्य बाजार, बस स्टैंड तथा प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे लगी अस्थायी दुकानों और ठेलों को हटाया गया, ताकि यातायात में किसी प्रकार की बाधा न आए। प्रशासन ने व्यापारियों और नागरिकों से अपील की है कि वे मुख्य सड़कों पर दुकानें न लगाएं और निर्धारित स्थानों पर ही बिक्री करें। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई दीपावली के दौरान संभावित भीड़भाड़ और जाम की स्थिति से बचने के उद्देश्य से की जा रही है।

. बर्थडे का खास जश्नः ईशु कैथवास ने अपने जन्मदिन को अलग और यादगार बनाने के लिए बच्ची ने खुद के हाथों से एक सुंदर पेंटिंग बनाई। इस बार उसने किसी और से गिफ्ट लेने की बजाय खुद अपने लिए पेंटिंग बनाकर आत्म-प्रेरणा और आत्म-प्रेम का संदेश दिया। बच्ची ने अपने अंदर छिपे टैलेंट को दिखाते हुए कहा कि "सबसे अच्छा गिफ्ट वही है, जो खुद के हाथों से बना हो।" इस पहल से बच्ची ने ये संदेश दिया कि हर व्यक्ति को अपनी कला और मेहनत की कद्र करनी चाहिए। पेंटिंग में उसने अपने सपनों और खुशियों के रंग भरे, जो उसकी सोच और आत्मविश्वास को दर्शाते हैं। परिवार ने बच्ची की इस अनोखी सोच की सराहना की और कहा कि ये पेंटिंग उनके लिए भी गर्व की बात है। आज के समय में जब बच्चे गिफ्ट्स और पार्टियों में खो जाते हैं, वहीं इस बच्ची ने अपनी कला से खुद को सबसे अनमोल तोहफा दिया।

इंदौर रंजीत टाइम के 10 वर्ष पूर्ण होने पर रवि चौधरी ने दी शुभकामनाएं..

रेणु कैथवास

इंदौर। शहर के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता व युवाओं के प्रेरणास्त्रोत रवि चौधरी ने 'रंजीत टाइम' के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि "रंजीत टाइम ने पिछले एक दशक में निष्पक्षता, सच्चाई और समाज के हर वर्ग की आवाज़ को मंच दिया है। यह पत्रकारिता की सच्ची पहचान है।" रवि चौधरी युवाओं में शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा के लिए लगातार कार्यरत हैं। वे छात्रों के बीच जागरूकता कार्यक्रम, मोटिवेशन सेशन और सामाजिक अभियानों के माध्यम से सकारात्मक सोच फैलाने का कार्य करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि "रंजीत टाइम आने वाले वर्षों में भी इसी तरह जनसेवा और सच्ची पत्रकारिता की मिसाल कायम रखे।"

रणजीत टाइम्स

बैंक खाते को स्वर्ण-सा चमकीला बनाएं

महंगाई एक अनिश्चितता है। इसकी मार आपकी जेब को कभी भी ढीला कर सकती है। ऐसे में कुछ आर्थिक विकल्पों का सहारा लेकर अपने खाते की चमक को बढ़ा सकते हैं।

• **पैसों से जुड़ी सही सोच और दृष्टिकोण :** क्या आप पैसे को सिर्फ़ ख़र्च या बचत का साधन मानकर चलते हैं? ऐसा करने से आप ग़लत आर्थिक निर्णयों के शिकार हो सकते हैं। बेहतर होगा कि आप पैसे को स्वप्न-पूर्ति के संसाधन और अवसर के रूप में देखें। आप यह याद रख सकते हैं कि 'यदि पैसे को आज बचाएं तो कल आपके पैसे आपको और आपके सपनों को बचा सकते हैं।' ऐसा करने का एक सरल उपाय है 'निवेश के बाद ख़र्च' की आदत। इस नीति को 'बचत के बाद ख़र्च' वाली पुरानी सोच की जगह अपना सकते हैं। ऐसा कर, अपने निवेशों को अपने ख़र्चों की बलि चढ़ने से बचा सकते हैं।

ख़र्च करने की संस्कृति : हम पैसे अपनी ज़रूरतों और चाहतों पर ख़र्च करते हैं। ऐसे में दिखावे में पैसे लुटाने से बचना चाहिए। अपनी ख़रीदारी का दिखावा करने से आपको क्षणिक संतुष्टि तो मिल सकती है, लेकिन लंबे-समय में वित्तीय तनाव के शिकार बन सकते हैं। इसलिए, वास्तविक ज़रूरत और क्षणिक चाह में फ़र्क़ समझना ज़रूरी है। आपको अपनी आवेगपूर्ण ख़रीदारी की भावना के आगे झुकने से भी बचना चाहिए। आवेगपूर्ण ख़रीदारी करने से, आपको उस क्षण के लिए संतुष्टि मिल सकती है, लेकिन लंबे समय में अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय लक्ष्यों से चूक सकते हैं।

आय के कई स्रोत : महंगाई से बचने के लिए केवल पैसों की बचत काफ़ी नहीं होगी। आपको अधिक पैसे कमाने के भी साधन ढूंढने पड़ेंगे। इसके लिए, सिर्फ़ नौकरी या एक बिज़नेस पर निर्भर रहना काफ़ी नहीं होगा। आप छोटे-छोटे आय (फ्रीलांसिंग) के ज़रिए वित्तीय सुरक्षा पाने की कोशिश कर सकते हैं। अपनी नौकरी के साथ-साथ समय-समय पर स्वतंत्र रूप से काम ले सकते हैं। मिलने वाली अतिरिक्त कमाई से अपने इतर ख़र्चों (जैसे त्योहार, पर्यटन, यात्रा, उत्सव) को चला सकते हैं। इस राशि को निवेश भी कर सकते हैं।

ख़र्चों का सटीक हिसाब : जब भी कुछ ख़रीदें या बिल चुकाएं तो तुरंत अपने ख़र्चों को दर्ज करें। एक नोटबुक, या अपने मोबाइल फोन पर इन्हें लिख सकते हैं। यह सरल आदत आपको ख़र्चों की गहरी समझ देगी, जिससे अनावश्यक ख़र्चों पर तुरंत लगाम लगा सकेंगे। इन ख़र्चों पर नियंत्रण, आपके वित्तीय व्यवहार को बेहतर बनाने का पहला क़दम हो सकता है। इसके लिए ऑनलाइन पेमेंट सबसे अच्छे माध्यम बनकर उभरे हैं।

बने रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

दीपावली की रोशनी में जगमगाते सपनों की भावना को जीवित रखने का दूसरा चरण मज़बूत आर्थिक सुरक्षा हो सकती है।

इंश्योरेंस (बीमा) : त्योहारों जैसी ख़ुशियों को सुरक्षित रखने के लिए अचानक आने वाले संकट (जैसे कि बीमारी, नौकरी खोना) से बचना ज़रूरी है। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस और इमरजेंसी सेविंग्स जैसे साधनों को चुन सकते हैं। स्वास्थ्य बीमा लेकर अपनी कमाई को अस्पताल के हवाले होने से बचा सकते हैं। अस्पताल में इलाज का ख़र्च बढ़ता जा रहा है। यह ख़र्च आपकी कमाई से कहीं ज़्यादा हो सकता है। बीमा के साथ स्वास्थ्य से जुड़े संकटकाल में आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सकते हैं। इससे आर्थिक परेशानी से बचा जा सकता है और इलाज पर ध्यान दिया जा सकता है। हमें सपने पूरे करने के लिए पैसों की ज़रूरत होती है। यह सपने हमारे और हमारे अपनों के होते हैं। लेकिन कल को हमें कुछ हो जाए तो हमारे अपनों के सपनों का क्या होगा? इस चिंता से बचा जा सकता है। जीवन बीमा ख़रीदकर आप यह सुरक्षा अपने परिवार को दे सकते हैं। इसके सहारे आप अपनी ज़िम्मेदारियां अपनी ग़ैरमौजूदगी में भी निभा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड : सेहत और जीवन के अलावा हमें अन्य आपातकालीन स्थितियों के लिए भी आर्थिक रूप से तैयार रहना चाहिए। हादसे और आपदाएं बताकर नहीं आती हैं। महंगाई जैसी आपदा का तो हम हर रोज़ ही सामना करते हैं। इसके अलावा आपदाएं जैसे कि नौकरी का जाना, बाढ़ (या अन्य पर्यावरण से जुड़ी आपदा), चोरी जैसे दुर्दिनों का हमें कभी भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हम आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए कुछ पैसे अलग से रख सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार यह राशि आपकी सालाना कमाई का एक तिहाई हिस्सा हो सकती है। या आप साल-दर-साल, धीरे-धीरे जमा कर सकते हैं। इस राशि को हम इमरजेंसी फंड बनाकर रख सकते हैं। यह फंड बचत या अधिक सुरक्षा वाले निवेश के रूप में हो सकता है। इसके लिए, इस राशि को एक अलग बैंक खाते में या म्यूचुअल फंड में रख सकते हैं। म्यूचुअल फंड में इसके लिए स्पेशल स्कीम है जिसे लिक्विड फंड कहते हैं। यह स्कीम आपातकालीन स्थितियों के लिए ही बनाई गई है। इसमें निवेश करना बैंक खाते में पैसे रखने और निकालने जितना सरल और सुरक्षित हो सकता है।

ऋण प्रबंधन : लोन आपके और आपके सपनों के बीच की दरार को भरने का एक साधन हो सकता है। यह लोन आपको बैंकों, ग़ैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और क्रेडिट कार्ड द्वारा मिल सकता है। आय से अधिक लोन लेने पर आप क़र्ज़ के जाल में फंस सकते हैं। इससे बचने के लिए, अनावश्यक लोन और क्रेडिट कार्ड के क़र्ज़ पर नियंत्रण रख सकते हैं। इसके अलावा, अच्छे क़र्ज़ (जैसे कि घर, शिक्षा, बिज़नेस) और बुरे क़र्ज़ (जैसे कि लक्ज़री, दिखावा) में अंतर समझें।

निवेश के साथ बनाएं उज्ज्वल भविष्य

निवेश आपके सपनों की चाभी के समान है। यह एक आर्थिक चाभी है जो निवेश के गुल्लक के भरने पर मिल सकती है। और निवेश का मूल-मंत्र है - 'बिना रुके, नियमित रूप से चलते जाना।' निवेश करते समय हमें अलग-अलग निवेश साधनों के बारे में जानना और समझना चाहिए। आप, निवेश जैसे कि, म्यूचुअल फंड्स, शेयर बाज़ार, फिक्स्ड डिपॉज़िट, स्वर्ण इत्यादि में से अपने आर्थिक सपनों के हिसाब से उचित निवेश मार्ग चुन सकते हैं। इनमें से हर निवेश आपके विभिन्न आर्थिक उद्देश्यों को पूरा करने में आपकी मदद कर सकता है। अपने आर्थिक निर्णयों पर अटल रहने के लिए अपने परिवार को भी अपने प्लान का हिस्सा बनाएं।

अनिश्चितताओं से बचाता सोना : सदियों से, हम स्वर्ण पर भरोसा करते आ रहे हैं, और आपदाओं से निबटने की इसकी क्षमता पर विश्वास करते आए हैं। अब स्वर्ण में निवेश करना पहले से कहीं अधिक आसान है। आभूषण या सिक्के ख़रीदने के अलावा, आपके पास कई विकल्प मौजूद हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जैसी सरकारी योजनाओं, डिजिटल गोल्ड और म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें। इन विकल्पों में निवेश करने से आपको स्वर्ण की सुरक्षा मिलती है, और मेकिंग चार्ज जैसी अतिरिक्त लागतों से भी छुटकारा मिल सकता है।

निवेश में विविधता : केवल स्वर्ण और एफडी पर निर्भर न रहकर आप दूसरे निवेश के साधन भी अपना सकते हैं। अलग-अलग निवेश साधनों की विशेषताओं को एकत्रित कर अपने निवेश को प्रबल बनाएं। निवेश जैसे शेयर आपको अत्यधिक मुनाफ़े की क्षमता प्रदान करते हैं। उसी तरह बॉन्ड्स आपको स्थिरता प्रदान करते हैं। आप इसके द्वारा सोने, चांदी, इएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस वाली कंपनियां), स्टार्टअप्स, रियल एस्टेट इत्यादि में निवेश कर सकते हैं।

तकनीक का सही इस्तेमाल : आपको अपने ख़र्चों और निवेशों पर नज़र रखनी चाहिए। इसके लिए आप फिनटेक एप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये एप्स वित्तीय सेवाओं को स्वचालित करने की सहायता देते हैं, तथा सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम के माध्यम से व्यवसायों और उपभोक्ताओं को वित्तीय संचालन को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने में सहायता प्रदान करते हैं।

परिवार को साथ लेकर चलना : बचत और उज्ज्वल भविष्य की आर्थिक तैयारी व्यक्तिगत नहीं, पारिवारिक सोच हो सकती है। इसके लिए अपने परिवार को त्योहारों और अन्य आर्थिक प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। जैसे आप दिवाली पर सालभर का हिसाब लगाते हैं, वैसे ही परिवार के साथ तिमाही वित्तीय समीक्षा कर सकते हैं। मासिक पारिवारिक बजट बनाकर ख़र्चों पर नियमित रूप से नियंत्रण भी रखें। साथ-साथ आप साल में कम-से-कम 2 से 3 बार परिवार के साथ 'पैसों की मीटिंग' कर सकते हैं। इसमें अपने परिवार की अगली पीढ़ी को भी शामिल किया जा सकता है। उन्हें बचपन में पॉकेट मनी, महंगाई, सेविंग और निवेश की शिक्षा द्वारा पैसों का मोल समझाया जा सकता है।

दिवाली जैसी चमक, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य की दूरदर्शिता केवल एक क़दम पर नहीं, निरंतर प्रयासों से प्राप्त होती है। इसके लिए नियमित रूप से निर्णय लेने और निरीक्षण करने की आवश्यकता है।

दादी के जलवे

एक लड़की अपनी बूढ़ी दादी के साथ
बरामदे में बैठी थी, तभी वहां उसका बॉयफ्रेंड आ गया।
लड़की अपने बॉयफ्रेंड से- क्या आप रामपाल यादव की बुक
'डैड इज़ एट होम' लाए हो?
बॉयफ्रेंड- नहीं, मैं तो क़ीमती आनंद की
'वेयर शुड आई वेट फॉर यू' लेने आया हूं।
लड़की- नहीं, मेरे पास तो प्रेम बाजपेयी की
'अंडर द मैंगो ट्री' है।
बॉयफ्रेंड- ठीक है, तुम आनंद बक्शी की
'कॉल यू इन फाइव मिनट' लेती आना।
लड़की- ओके, मैं जॉन इब्राहिम की
'आई वोन्ट लेट यू डाउन' लेती आऊंगी।
लड़का लड़की की दादी के चरण स्पर्श
करके चला जाता है।
दादी बोलीं- बेटा, ये लड़का इतनी ढेर सारी
किताबें पढ़ कैसे लेता है?
लड़की- दादीजी, ये हमारी क्लास का सबसे
समझदार और इंटेलिजेंट लड़का है।
दादी- तो बेटा इसको कहना, एक बार अशोक कुमार की
'ओल्ड पीपल आर नॉट स्टूपिड' पढ़े।

प्यार का इंश्योरेंस

काश प्यार का इंश्योरेंस हो जाता,
प्यार करने से पहले प्रीमियम भरवाया जाता।
प्यार में वफ़ा मिली तो ठीक, वरना
बेवफ़ाओं पर जो ख़र्चा होता,
उसका क्लेम तो मिल जाता।

बेचारा मोबाइल

डेढ़ जीबी डेटा ख़त्म होने के बाद
मोबाइल ऐसे लगता है,
जैसे सूट-बूट में घूमता हुआ
बेरोज़गार इंजीनियर।

मिडिल क्लास के क़िस्से

इतिहास गवाह है कि मिडिल क्लास लोग कभी
डिस्काउंट नहीं मांगते!
बस दुकान से निकल कर
थोड़ी दूर जाने की एक्टिंग करते हैं।

पुराने ज़माने का एटीएम और पिन

आने वाले समय में मोबाइल ऐसे दिखेंगे

इस एंटीना से कनेक्शन मिलेगा क्या?

गुलाब मुरझा जाएगा, ये दो महीने चलेगा

जिन्हें उंगली से मंजन करने की आदत है

बेटा और पेपर

पिता- बेटा पेपर कैसा गया?
बेटा- पहला सवाल छूट गया,
तीसरा आता नहीं था,
चौथा करना भूल गया,
पांचवां नज़र नहीं आया!
पिता- और दूसरा सवाल?
बेटा- बस वही ग़लत हो गया।

हटके कैसे दिखें?

भीड़ में अलग दिखना चाहते हैं,
तो अभी से स्वेटर पहनना शुरू कर दें।

स्वर्ग में एंट्री चाहिए

एक करोड़पति मर गया
और स्वर्ग का दरवाज़ा खटखटाने लगा।
देव- कौन हो तुम?
करोड़पति- मैं धरती पर करोड़पति था।
मुझे स्वर्ग में प्रवेश चाहिए।
देव- स्वर्ग में रहने लायक तुमने कौन-सा काम किया है?
करोड़पति- एक बार मैंने भूखी भिखारन को
दो रुपये दिए थे।
एक बार मेरी कार से टकराकर घायल हुए
बच्चे को एक रुपये दिए थे।
देव- और कुछ किया...?
करोड़पति- और कुछ तो याद नहीं आता।
देव (दूसरे देव से)- भाई क्या करें इसका?
दूसरे देव- इसके तीन रुपये लौटाकर इसे
नरक भेज देते हैं।

मास्टरजी की कुटाई

अच्छा हुआ हमारे स्कूल के समय में
स्मार्टफोन नहीं थे, वरना
इधर मास्टरजी कुटाई करते, उधर वीडियो वायरल होता।

सोचने वाली बात है

लौकी खाने से ही कोलेस्ट्रॉल कम क्यों होता है?
पता नहीं ऊपरवाले को क्या सूझी होगी...
यही काम गुलाबजामुन और काजू कतली
से भी तो करवा सकते थे ना।

जुनून होता है सफल व्यक्तियों को...

उद्योगपतियों में आख़िर क्या ख़ासियत होती है? इन बड़े-बड़े धनकुबेरों और उस ऊंचाई तक न पहुंच पाने वाले लोगों में आख़िर क्या अंतर होता है?

रणजीत टाइम्स

आधुनिक उद्योगपतियों का स्वभाव यूं तो इंसानी फितरत का रंग-बिरंगा नज़ारा है। कोई बेहद मिलनसार है तो कोई घोर एकांतप्रिय, कोई शाहख़र्च है तो कोई पक्का मक्खीचूस, कोई मन मोह लेता है तो कोई महाबोर है। मगर इन सबमें बहुत-सी बातें समान भी होती हैं, जो साहब बनने के महत्वाकांक्षियों की अनिवार्य योग्यताएं हैं। यह जानी-मानी बात है कि व्यापार को शिखर तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। रोज़ाना बारह घंटे का दफ़्तर, दिन के भोजन के समय भी कारोबारी मुलाक़ातें, रातों में और छुट्टी के दिन भी काम। यह उद्योगपतियों की आम दिनचर्या होती है। परिश्रम ही सफलता का पहला सूत्र है। मगर काम करना अपने-आपमें एक लत है।

काम की धुन

कितने ही उद्योगपति बिला हुज्जत क़बूल करते हैं कि उन्हें काम का नशा है। अटलांटा के नौजवान उद्योगपति राबर्ट एडवर्ड टर्नर तृतीय ने एक पत्रिका को दिए साक्षात्कार में कहा, 'मैं घर वालों की सारी आवश्यकताएं पूरी कर चुका हूं, फिर भी कमाए जा रहा हूं। क्यों? क्योंकि यह एक ऐसी मस्ती है, जो छोड़ते नहीं बनती।' यूनाइटेड टेक्नोलॉजीज़ के चेयरमैन हैरी ग्रे को भयंकर एक्सीडेंट के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ गया। इस पर उन्होंने फाइलें लिए अपने सेक्रेटरी को भी वहां बुलवा लिया, और महीनों पीठ के बल लेटे-लेटे काम निपटाते रहे।

उसकी छुट्टी न हुई, जिसको सबक़ याद हुआ

ये उद्योगपति इस क़दर कार्यनिष्ठ होते हैं कि छुट्टी-वुट्टी उनके लिए एक बेहूदगी है। अमेरिकन स्टैंडर्ड इनकॉपोरेटेड के अध्यक्ष विलियम मार्कार्ड लंबी छुट्टियों के बजाय लंबे वीकएंड्स के धनी हैं। वह कहते हैं, 'चौथा दिन बीतते न बीतते मुझे अकुलाहट होने लगती है।' अटलांटा की फूक्वा इंडस्ट्रीज़ के संस्थापक जॉन ब्रुक्स फूक्वा एक बार दो सप्ताह की छुट्टी मनाने स्विट्ज़रलैंड गए, मगर तीन दिन बाद ही दफ़्तर लौट आए। बोले, 'महल सारे एक-से होते हैं, एक देखा तो समझो, सभी देख लिए।' विलक्षण कार्यानुरक्ति के लिए उद्योगपतियों को असाधारण ऊर्जा चाहिए। बहुत से होनहार, युवा उद्यमी केवल इसलिए सफल नहीं हुए कि उनके कस-बल जुदा क़िस्म के थे। जेरॉक्स के पीटर मैककोलो कहते हैं, 'जल्दी ही यह पता चल जाता है कि कौन दौड़ में पिछड़ जाएगा।' यही बात लिटन इंडस्ट्रीज़ के टैक्स थानंटन ने कही है, 'दौड़ाक घोड़ों का पालन-पोषण दौड़ के लिए ही किया जाता है। यही बात मनुष्यों पर भी लागू होती है। उद्यम संस्कारों में होता है।'

प्रेरक है सत्ता

सफल उद्यमियों को कड़ी मेहनत की प्रेरणा कहां से मिलती है? धन की कामना आदमी को व्यवसाय की ओर उन्मुख करती है, परंतु ऊंचाइयां छूने का प्रेरक धन नहीं होता, यह प्रेरक है सत्ता की लालसा। मानसिटो कंपनी के प्रधान अधिकारी जॉन वेलर हैनली को अब तक याद है कि किशोरावस्था से ही वे दूसरों से मनचाहा करा लेने की फिराक में रहते थे। शुरू-शुरू में जब वे सोडावाटर की दुकान पर काम करते थे, तब भी वे ग्राहकों के माल्ट-मिश्रित मिल्क-शेक में अंडा डालकर पीने का आग्रह करते रहते थे। डोनाल्ड नेल्सन फ्राई अपने परिश्रम के बल पर 44 वर्ष की आयु में फोर्ड मोटर्स के ग्रुप-वाइस प्रेसीडेंट बन गए, पर उन्हें तसल्ली नहीं हुई। कहते, 'मुझे एक पूरा कारोबार ख़ुद चलाना है।' अंततः फोर्ड को छोड़कर वे बेल एंड हाबेल के प्रधान अधिकारी बन बैठे। यह कंपनी फोर्ड के मुक़ाबले बित्ते-भर की थी, मगर 'पूरी की पूरी' उनके अधीन थी। अफसराना लवाजमात-भत्ते और अन्य सुविधाएं-उद्योगपतियों की सत्ताकांक्षा की छवि होते हैं, क्योंकि वे इस बात का जीता-जागता प्रमाण होते हैं कि लाट साहब पधारे हैं। जेट विमान उन्हें अपने विभिन्न व्यावसायिक अड्डों तक पहुंचाते हैं, तो अवकाशकालीन आवासों से लौटने के लिए हेलीकॉप्टर भेजे जाते हैं। सूट सिलवाना हो तो दर्जी और हजामत बनवानी हो तो बारबर दौड़े-दौड़े घर आ जाते हैं।

ज़बर्दस्त जिज्ञासु

उद्योगपति ज़बर्दस्त जिज्ञासु होता है। होनहारों का गुण उसके कॅरियर के प्रारंभ में ही स्पष्ट हो जाता है। वह कभी भी अपनी जगह पर नहीं बैठता। वह दूसरे विभागों में घूमता, लोगों से सवाल-जवाब करता, उन्हें परामर्श देता, तंग करता रहता है। एटी एंड टी के पूर्व प्रधान अधिकारी जॉन डिबट्स कई बार मेंटेनेंस विभाग के कर्मचारियों के साथ टेलीफोन लगाने या तारों की मरम्मत में उनका हाथ बंटाते रहते। 'फॉर्च्यून' में प्रकाशित उनके एक उपाध्यक्ष का संस्मरण है- 'बॉस और मैं एक कमरे के सामने से गुज़रे। मैंने पूछा, जॉन साहब, पता नहीं, ये सब क्या हो रहा है। इस पर वे ज़रा तेज़ आवाज़ में बोले, 'पर मैं जानता हूं कि वे क्या कर रहे हैं'। उद्योगपतियों की कुछ और विशेषताएं भी होती है। मौक़ा न चूकने के मामले में वे सब लाजवाब होते हैं। निहायत चौकस एकदम घात में। निजी फायदे का कोई भी मौक़ा उनके हाथ से नहीं निकल सकता। इस सबके अलावा, ये लोग सच्चे अर्थों में आस्थावान होते हैं। अपने काम में, अपने माल में, अपनी कंपनी में और निरंकुश उद्योग प्रणाली में उन्हें गहरी आस्था होती है। और क्यों न हो, इसमें उन्हें सफलता जो मिली है।

(जनवरी 2006 अंक से)

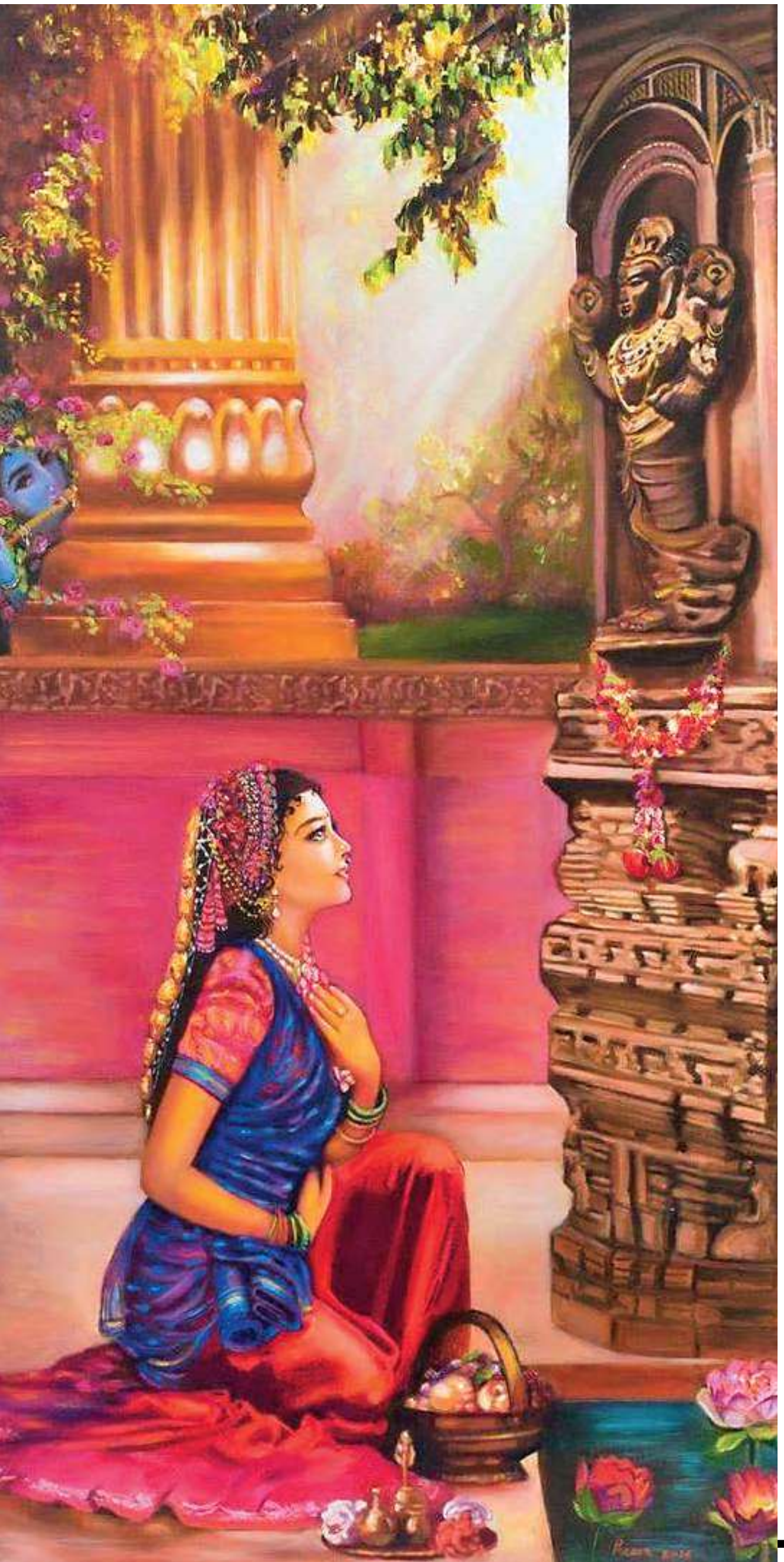

प्रभु गिरधर की दासी मीरां

संत, भक्त-कवि, विद्रोहिणी, चमत्कारी व्यक्तित्व, उनकी अनेक छवियां हैं। वे परलोक की बात करती हैं, लोक में उन्हें आदर मिलता है और आलोचक उनके काव्य के आलोक से चकित हैं।

मीरां कहती हैं कि कोई चाहे
निंदो कोई चाहे बिंदो मैं तो चलूंली
अनूठी! और वे हैं भी अनूठी। उनकी भक्ति किसी वाद या पंथ के अधीन नहीं। उसमें राममार्गी झलक है और कृष्णमार्गी भी, सगुण भी और निर्गुण भी।

मीरां का काव्य सीधा-सादा है, सर्वसाधारण के लिए भी सरल है, किंतु मीरां का जीवन रहस्यमय है। उनसे जुड़ी जनश्रुतियां अधिक हैं और ऐतिहासिक विवरण अत्यल्प।

ऐसी महान भक्त, भक्तिकाल की प्रखर स्त्री-स्वर, देश-काल की सीमाओं के पार पहुंचने वाली, सामंत परिवार की जनप्रिय मीरां के जीवन, सृजन और अवदान पर एक शोधपूर्ण नज़र...

कोलारस पुलिस की लापरवाही उजागर! भाजपा नेता के घर चोरी, फिर भी नहीं मिला कोई सुराग

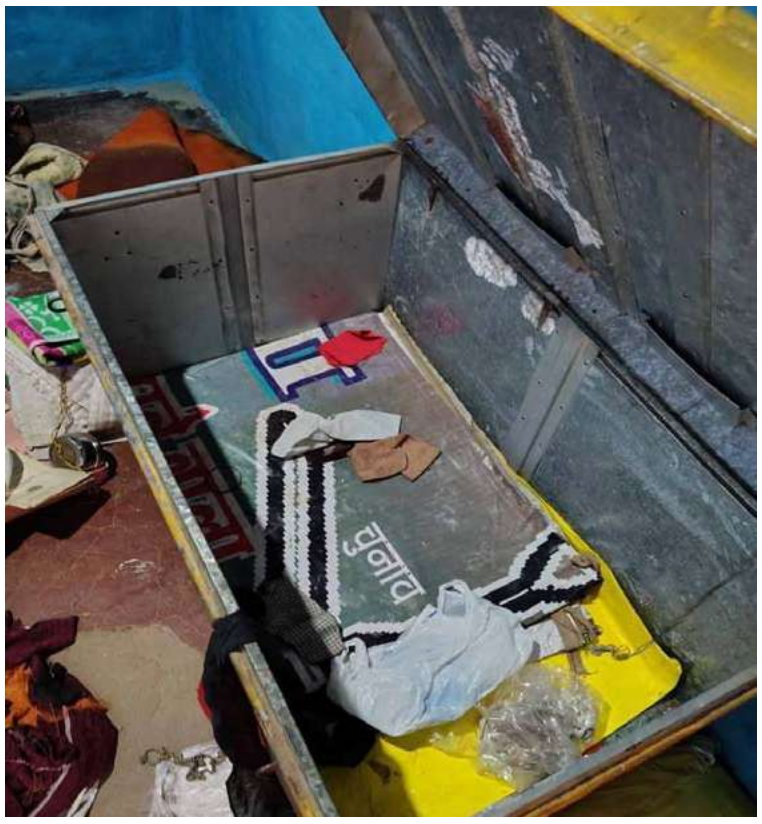

शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी भी मामले का खुलासा करने में नाकाम साबित हो रही है। ताज़ा मामला ग्राम पडोरा का है, जहां चोरों ने भाजपा नेता किशन सिंह रावत के घर को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार, चोर घर के उस कमरे में घुसे जहाँ भगवान की मूर्तियाँ रखी थीं। वहीं रखे एक बक्से से चोर करीब दो लाख रुपये नकद और सोने की चेन लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने कोलारस थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली चोरी नहीं है — कोलारस क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों में लगातार कई चोरियां हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस किसी भी मामले में ठोस कार्रवाई नहीं कर पा रही। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर कोलारस पुलिस चोरों के सामने लाचार क्यों दिखाई दे रही है? क्या पुलिस की ढिलाई और निष्क्रियता के कारण ही अपराधियों के हौसले बुलंद हैं? अगर यही हाल रहा, तो आने वाले दिनों में आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो जाएंगे।

थाना करैरा पुलिस द्वारा एक पिस्टल 32 बोर मय 02 जिन्दा राउण्ड के आरोपी गिरफ्तार

हैमंत भार्गव

पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड के द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ जुआ सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन, अवैध शराव की धरपकड के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे अति0 पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के निर्देशन एवं एस.डी.ओ.पी. ड़ॉ आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में थाना करैरा पुलिस को दिनांक 16.10.2024 को कस्बा भ्रमण के दौरान जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुयी कि बगीचा मंदिर के पीछे बाले रास्ते पर एक लडका अवैध हथियार लिये अपराध करने की नियत से खड़ा है उक्त सूचना की तस्दीक करने हेतु बगीचा मंदिर के पीछे बाले रास्ते पर पहुंचे तो एक व्यक्ति मुखबिर के बताये हुलिया का खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे घेरावंदी कर पकड़ा नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम प्रदीप जादौन पुत्र दीवान सिंह जादौन उम्र 26 साल नि0 ग्राम बीलोनी थाना नरवर का होना बताया। जिसकी जामा तलासी ली गई तो उसके दाहिने तरफ पेन्ट की जेब में एक देशी 32 बोर पिस्टल खुरसे मिला तथा पिस्टल को खोल कर देखा तो एक राउण्ड 32 बोर का लोडेड हालत में तथा एक मैगजीन में मिला पिस्टल व राउण्ड रखने के संबंध मे बैध लायसेंस चाहा तो किसी ने भी लायसेंस नही होना बताया । आरोपी के विरुद्ध धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत अप0 क्र0 730/24 पंजीबद्ध किया गया ।

बरामद माल– 01.एक 32 बोर पिस्टल मय 02 जिन्दा राउण्ड कीमती करीवन 10हजार रूपये।

इनकी रही भूमिका-थाना प्रभारी निरी.विनोद छावई ,उनि धर्मेन्द्र गुर्जर ,प्र0 आर राधवेन्द्र ,चौहान,आर 338 हरेन्द्र गुर्जर ,आर 895 राधेश्याम जादौन, आऱ जितेन्द्र कुमार ,आर 965 सुरे।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

शिवपुरी को राष्ट्रीय स्तर पर मिला गौरव

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिवपुरी कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी को किया सम्मानित

ऋषि गोस्वामी की रिपोर्ट

नई दिल्ली / शिवपुरी। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्यों के लिए मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले ने देशभर में एक बार फिर अपनी विशेष पहचान बनाई है। राजधानी दिल्ली में आयोजित "नेशनल कॉन्क्लेव ऑन 2025 – आदि कर्मयोगी अभियान" कार्यक्रम के दौरान महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी ने शिवपुरी कलेक्टर श्री रविन्द्र कुमार चौधरी को सम्मानित किया। यह सम्मान शिवपुरी जिले द्वारा पीएम जनमन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, जनजातीय समुदायों के

समग्र विकास, तथा जनसेवा के नवाचारों को ध्यान में रखते हुए प्रदान किया गया। कलेक्टर श्री चौधरी के नेतृत्व में जिले में योजना के विभिन्न घटकों — जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार — में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सम्मान प्राप्त करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि यह पुरस्कार पूरे शिवपुरी जिले की टीम, जनप्रतिनिधियों और जनता के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि शिवपुरी आगे भी विकास की नई मिसालें कायम करेगा। इस राष्ट्रीय उपलब्धि से शिवपुरी जिले में हर्ष और गर्व का माहौल है।

शिवपुरी एसपी अमन सिंह राठौड़ ने दी शहरवासियों को दीवाली की शुभकामनाएँ, पटाखों से बच्चों को दूर रखने की अपील

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। दीपावली पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने शहरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से त्योहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। एसपी राठौड़ ने विशेष रूप से अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे बच्चों को पटाखों से दूर रखें तथा किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचने के लिए सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि दीपावली का असली अर्थ प्रकाश और खुशियों का प्रसार है, न कि शोर-शराबा और प्रदूषण।

दीपावली के मद्देनज़र एसपी अमन सिंह राठौड़ ने शहर के मुख्य बाजारों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों से भी संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और उन्हें सहयोग का भरोसा दिलाया। एसपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता जनसुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखना है। सभी नागरिक कानून-व्यवस्था में सहयोग करें और सुरक्षित दीपावली मनाएँ।

उत्कृष्ट विकास कार्य के लिए ग्राम पंचायत सेवनिया के मुखिया का जिला मुख्यालय पर हुवा सम्मान

संजय प्रेम जोशी

आदिवासी बहुल्य ग्राम पंचायत सेवनिया द्वारा डबल इंजन सरकार का फायदा लेते हुए पंचायत क्षेत्र में दर्जन भर से अधिक स्थाई और मजबूत कार्यों को प्राथमिकता देते हुए विगत वर्षों की तुलना में पंचायत को विकास के नए आयाम दिए हैं। इन महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल मुक्तिधाम स्थल प्रमुख है। यहां का मुक्तिधाम स्थल देखने के लिए अन्य पंचायत से लोग आते हैं हरियाली और समस्त सुविधा युक्त यह मुक्तिधाम आकर्षण का केंद्र बना हुआ है यहां नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन भी जिले की प्रमुख आंगनबाड़ियों में शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना का फायदा ग्राम पंचायत वासियों को देते हुए यह सुनिश्चित किया गया कि लगभग सभी को इस महत्वपूर्ण योजना का फायदा मिले पेयजल व्यवस्था में भी ग्राम पंचायत में पूर्णता प्राप्त कर ली है। हाल ही में देवास में आयोजित जल जीवन मिशन के कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत सेवनिया को उत्कृष्ट सम्मान देते हुए सरपंच सीमा राम प्रसाद जाटवा का कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट विधायक मनोज चौधरी देवास विधायक गायत्री राजे पवार आदि के द्वारा मंच से सम्मान किया गया इस पूरी विकास गाथा में सचिव अंबाराम भुसारिया एवं रोजगार सहायक सीता सोलंकी ने भी सरपंच की विकासशील गतिविधियों में सहयोग देते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरपंच प्रतिनिधि राम प्रसाद जाटवा ने बताया कि उनके इस विकास में बागली विधायक मुरली भंवरा का विशेष सहयोग बुलाया नहीं जा सकता उन्होंने समय पर विकास के लिए राशि जारी करवा कर ग्राम पंचायत को प्रोत्साहित किया है।